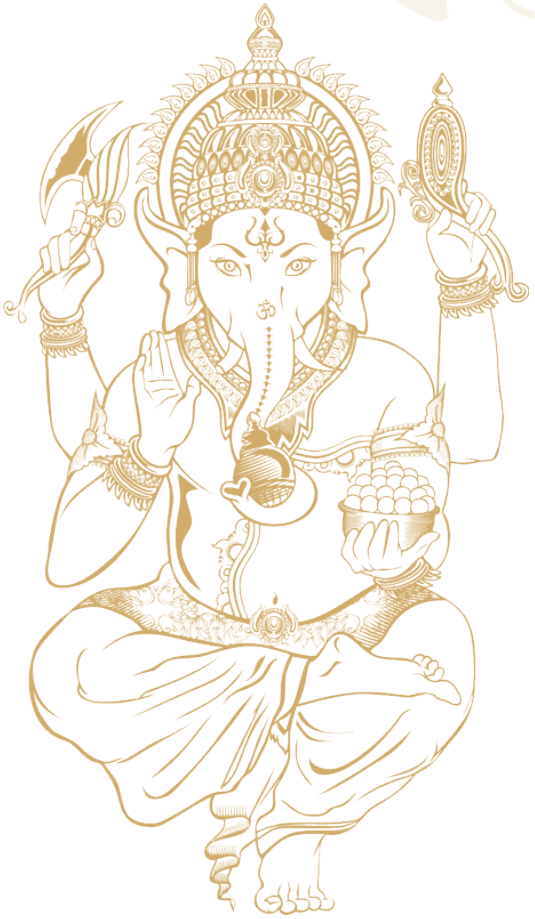

Denise

02 May 1990

10:14 AM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121330002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/05/1990**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:14:00 घंटे**
इष्ट	10:15:00 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:35:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:14:42 घंटे
सूर्योदय	06:08:00 घंटे
सूर्यास्त	19:03:45 घंटे
दिनमान	12:55:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:48:26 मेष
लग्न के अंश	18:19:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:19:01	321:25:21	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मेष	17:48:26	00:58:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	22:04:01	13:01:25	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	स्वराशि
मंगल			कुंभ	14:42:06	00:44:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	मेष	20:39:49	00:36:10	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	13:25:12	00:10:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	04:04:49	01:06:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			मक	01:36:27	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मक	18:18:34	00:00:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	18:18:34	00:00:04	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	15:43:27	00:00:54	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:46:57	00:00:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	22:48:53	00:01:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मीन	10:16:55	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:31

लग्न-चलित

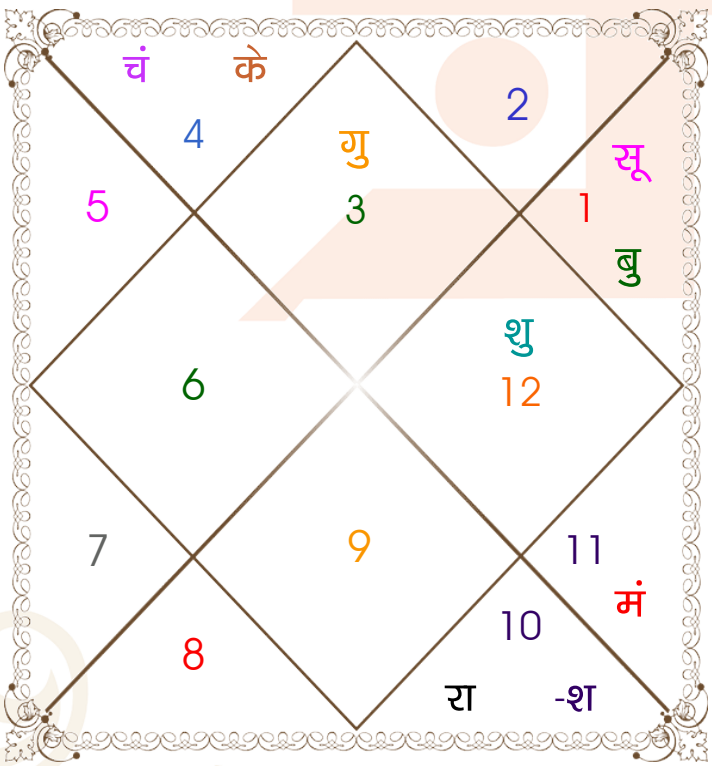

चन्द्र कुंडली

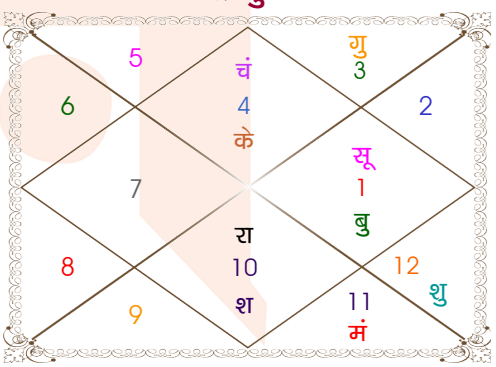

नवमांश कुंडली

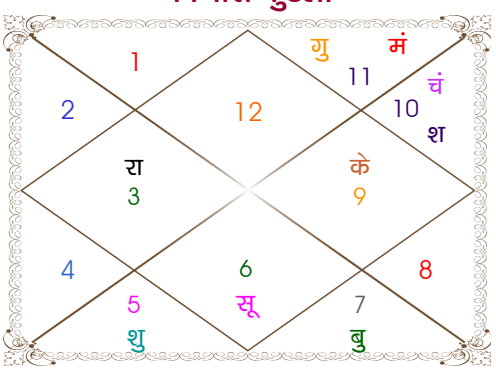

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 1 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/05/1990		12/06/2000		13/06/2007		13/06/2027		13/06/2033	
12/06/2000		13/06/2007		13/06/2027		13/06/2033		13/06/2043	
	00/00/0000	केतु	08/11/2000	शुक्र	13/10/2010	सूर्य	01/10/2027	चंद्र	13/04/2034
	00/00/0000	शुक्र	09/01/2002	सूर्य	13/10/2011	चंद्र	31/03/2028	मंगल	12/11/2034
	02/05/1990	सूर्य	16/05/2002	चंद्र	13/06/2013	मंगल	06/08/2028	राहु	13/05/2036
सूर्य	13/07/1990	चंद्र	15/12/2002	मंगल	13/08/2014	राहु	01/07/2029	गुरु	12/09/2037
चंद्र	13/12/1991	मंगल	14/05/2003	राहु	12/08/2017	गुरु	19/04/2030	शनि	13/04/2039
मंगल	09/12/1992	राहु	31/05/2004	गुरु	12/04/2020	शनि	01/04/2031	बुध	12/09/2040
राहु	28/06/1995	गुरु	07/05/2005	शनि	13/06/2023	बुध	05/02/2032	केतु	13/04/2041
गुरु	03/10/1997	शनि	16/06/2006	बुध	13/04/2026	केतु	12/06/2032	शुक्र	12/12/2042
शनि	12/06/2000	बुध	13/06/2007	केतु	13/06/2027	शुक्र	13/06/2033	सूर्य	13/06/2043

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/06/2043		13/06/2050		12/06/2068		12/06/2084		14/06/2103	
13/06/2050		12/06/2068		12/06/2084		14/06/2103		00/00/0000	
मंगल	09/11/2043	राहु	23/02/2053	गुरु	01/08/2070	शनि	16/06/2087	बुध	10/11/2105
राहु	27/11/2044	गुरु	20/07/2055	शनि	11/02/2073	बुध	23/02/2090	केतु	07/11/2106
गुरु	03/11/2045	शनि	26/05/2058	बुध	20/05/2075	केतु	04/04/2091	शुक्र	07/09/2109
शनि	12/12/2046	बुध	12/12/2060	केतु	25/04/2076	शुक्र	04/06/2094	सूर्य	03/05/2110
बुध	10/12/2047	केतु	30/12/2061	शुक्र	25/12/2078	सूर्य	17/05/2095		00/00/0000
केतु	07/05/2048	शुक्र	30/12/2064	सूर्य	13/10/2079	चंद्र	15/12/2096		00/00/0000
शुक्र	07/07/2049	सूर्य	24/11/2065	चंद्र	11/02/2081	मंगल	24/01/2098		00/00/0000
सूर्य	12/11/2049	चंद्र	26/05/2067	मंगल	18/01/2082	राहु	01/12/2100		00/00/0000
चंद्र	13/06/2050	मंगल	12/06/2068	राहु	12/06/2084	गुरु	14/06/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।